Improving Democratic Climate…

by Narendra Modi 24. December 2009 16:35

मित्रो,

हमारे बीच यह जो सेतु बना हे, वह एक वौचारिक सेतु हे, भावात्मक सेतु हे, जो मेरे लिये कर्मसेतु की भूमिका भी बनाता हे. ग्लोबल वोर्मिग का असर नकारात्मक होता है, लेकिन हार्टवोर्मिग का असर सकारात्मक होता है. हार्टवोर्निग के लिए कोई बडी शिखर परिषद की आवश्यकता नही, हमारी यह गोष्ठी पर्याप्त है.

सर्दी की यह ऋतु स्वास्थ्यप्राप्ति की ऋतु है. फिर वह स्वयं क स्वास्थ्य हो या पूरे लोकतंत्र का. लोकतंत्र के स्वास्थ्य का आधार है 'तमाम लोगो का मत'. लोकतंत्र के हार्द समान चुनाव में यदि सभी लोगो का मत मिले तो जनता ओर सरकार के बीच अधिकार ओर दायित्व का रिश्ता अधिक मजबूत बनेगा. लोकतंत्र अधिक प्राणवान, अधिक गौरवमय बनेगा. हमारा उदेश होना चाहिए १०० प्रतिशत मतदान. आधाअधुरा मतदान लोकतंत्र के आधेअधूरे स्वास्थ्य का सूचक है. ऍसा होने पर लोकतंत्र का क्लाइमेट बिगड़ जाता है.

परंतु ऍसा न हो यह देखने की जिम्मेदारी हमारी है. एसलिए, स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक अभूतपूर्व एवं क्रांतिकारी कदम लेते हुए, गुजरात सरकारने स्थानिक स्वराज्य की संस्थाओ के चुनावो में मतदान स्निवार्य करने संबंधी विधेयक विधानसभा में पारित किया है. जिस के अनुसार ग्राम पंचायतों, तहसील एवं जिला पंचायतों, नगरपालिकाओ एवं महानगर पालिकाओ के चुनाव में अनिवार्य रुप से मतदान करना होगा. यदि कोई मतदाता किसी भी प्रत्याशी को मत देना न चाहते हों, तो उन्हे नकारात्मक मत देना होगा. मतदान नहीं करनेवाले को राज्य चुनाव आयोग के द्रारा नोटिस दिया जायेगा.

गुजरातने भारत के लोकतंत्र को अधिक स्वसस्थ बनाने की पहल की है. इस से हमरा लोकतंत्र अधिक 'मतदाता केन्द्री' और 'नागरिक केन्द्री' बनेगा. विशेष रूप से, ड्रोइंग रुम पोलिटिक्स की निरर्थक चर्चाओ पर रोक लगेगी. मेरा यह स्पष्ट मानना है कि अनिवार्य मतदान का यह प्रावधान देश की युवाशक्ति के किए प्रेरणारूप बनेगा. मतदान की मात्रा जितनी अधिक, सरकार का दायित्व उतना ही अशिक. आखिर तो, यह बात जनता के ही सर्वागी हित में है.

इस विधेयक में, स्थानिक स्वराज्य के चुनावो में महिलाओ के लिए ५० प्रतिशत बैठको पर आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है. स्त्री समानता एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह कदम दूरप्रभावक साबित होगा.

लोकतंत्र के क्लइमेट में सुधार लाने के एस कदम के बारे में आप के विचार ओर कमेन्ट्स पढने के लिए मै उत्सुक हूं. जिस तरह अधिकार ओर दायित्व, उसी तरह विचार ओर कर्म भी एक ही सिक्के के दो पहलू है.

अभी सिर्फ इतना ही,

आपका,

Copyright © 2009 NarendraModi.com